

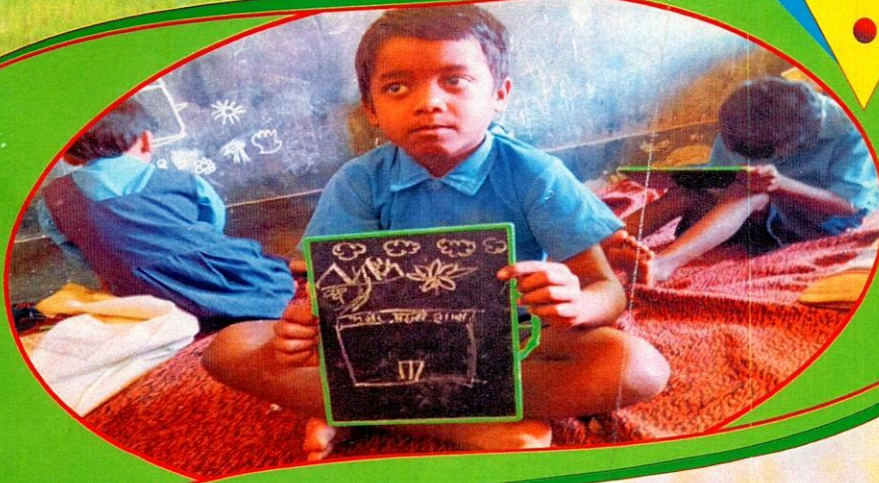
वेळूर-वेळूर

शिक्षक सहायक पुस्तिका

धुरवा, हिन्दी-द्विभाषिक

कक्षा-1

2015-16



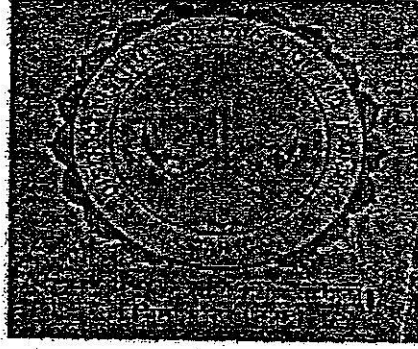
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
बस्तर, छत्तीसगढ़

DISTRICT INSTITUTE OF EDUCATION AND TRAINING,
BASTAR, CHHATTISGARH

वेरूर-वेरूर

शिक्षक सहायक पुस्तिका
धुरवी, हिन्दी-द्विभाषिक

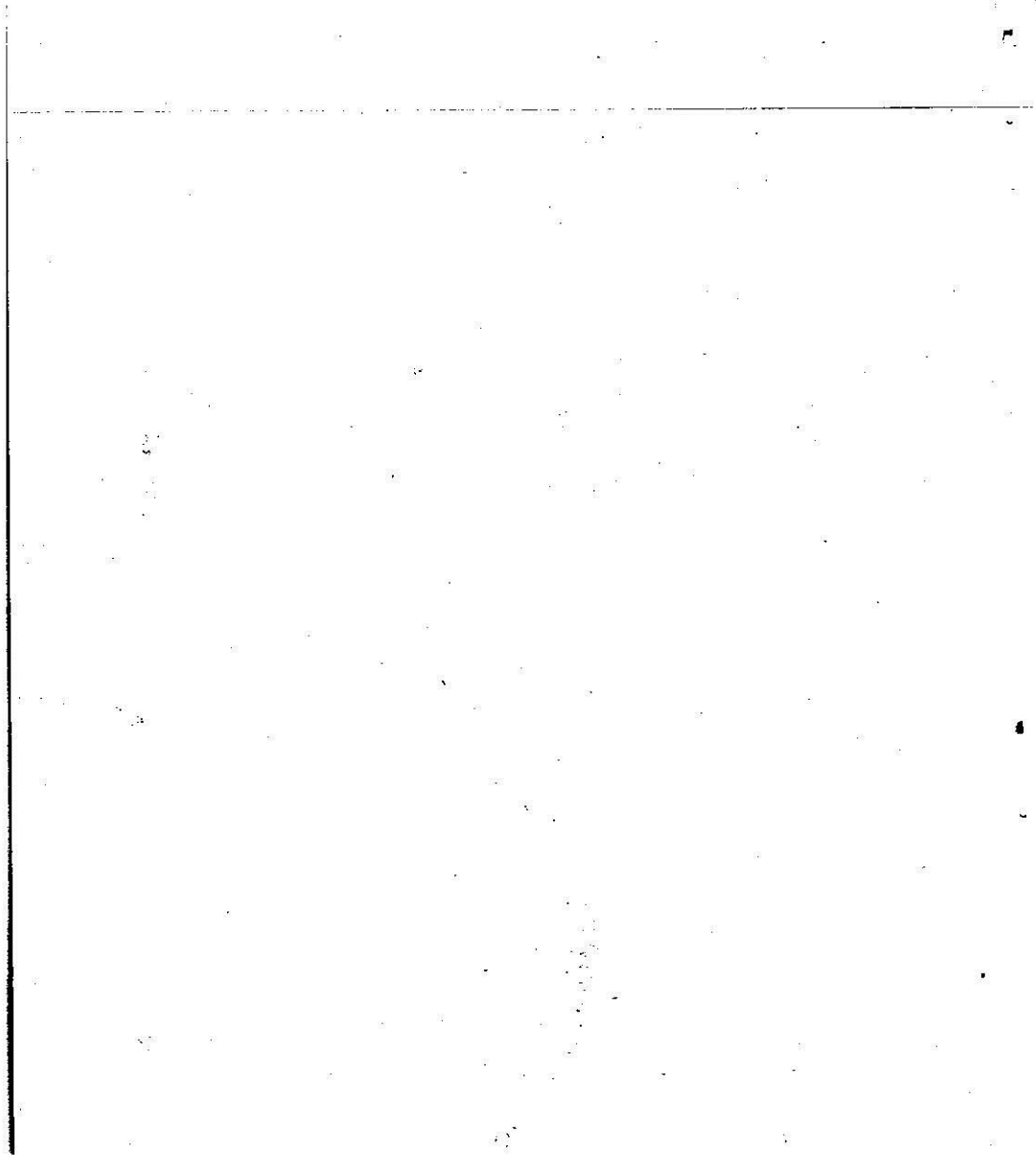
कक्षा - 1



2015 -16



जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बस्तर, छत्तीसगढ़
DISTRICT INSTITUTE OF EDUCATION TRAINING, BASTAR, CHHATTISGARH



जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बस्तर, छत्तीसगढ़
DISTRICT INSTITUTE OF EDUCATION TRAINING, BASTAR, CHHATTISGARH

प्रकाशन वर्ष - 2015-16

लेखन एवं संपादन समूह

लेखन समूह

श्री चेरंगु सम नाग, श्री लछिन्दर बघेल, श्री गुजाराम नाग,
श्री चेलमुराम नाग, श्री लछिन्दर बघेल, श्री रामानंद नाग,
श्री बुधराम सोडी, श्री सोमन राम धुव, श्री घासीराम नाग, श्री रूपधर नाग,
श्री दुर्षन नाग, श्री तुलाराम नाग

समन्वयक

डॉ. आरती जैन, श्री सुभाष श्रीवास्तव,

श्री स्टेनली जॉन, श्री समीर शुक्ला, श्री संजय मिश्रा

समीक्षा - द्वारा यू.एस.टी.ई.

श्री यू.के. चक्रवर्ती, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव

श्रीमती ज्योति चक्रवर्ती, श्रीमती ए.नलगुण्डवार,

डॉ. नीलम अरोरा

मार्गदर्शन एवं सहयोग

श्री संजय कुमार ओझा

संचालक, एस.सी.ई.आर.टी., रायपुर छ.ग.

श्री एस.के. चौधरी

प्राचार्य, डाइट बस्तर

श्री चिंतरंजन कर

सेवानिवृत्त प्राध्यापक रविवि.रायपुर

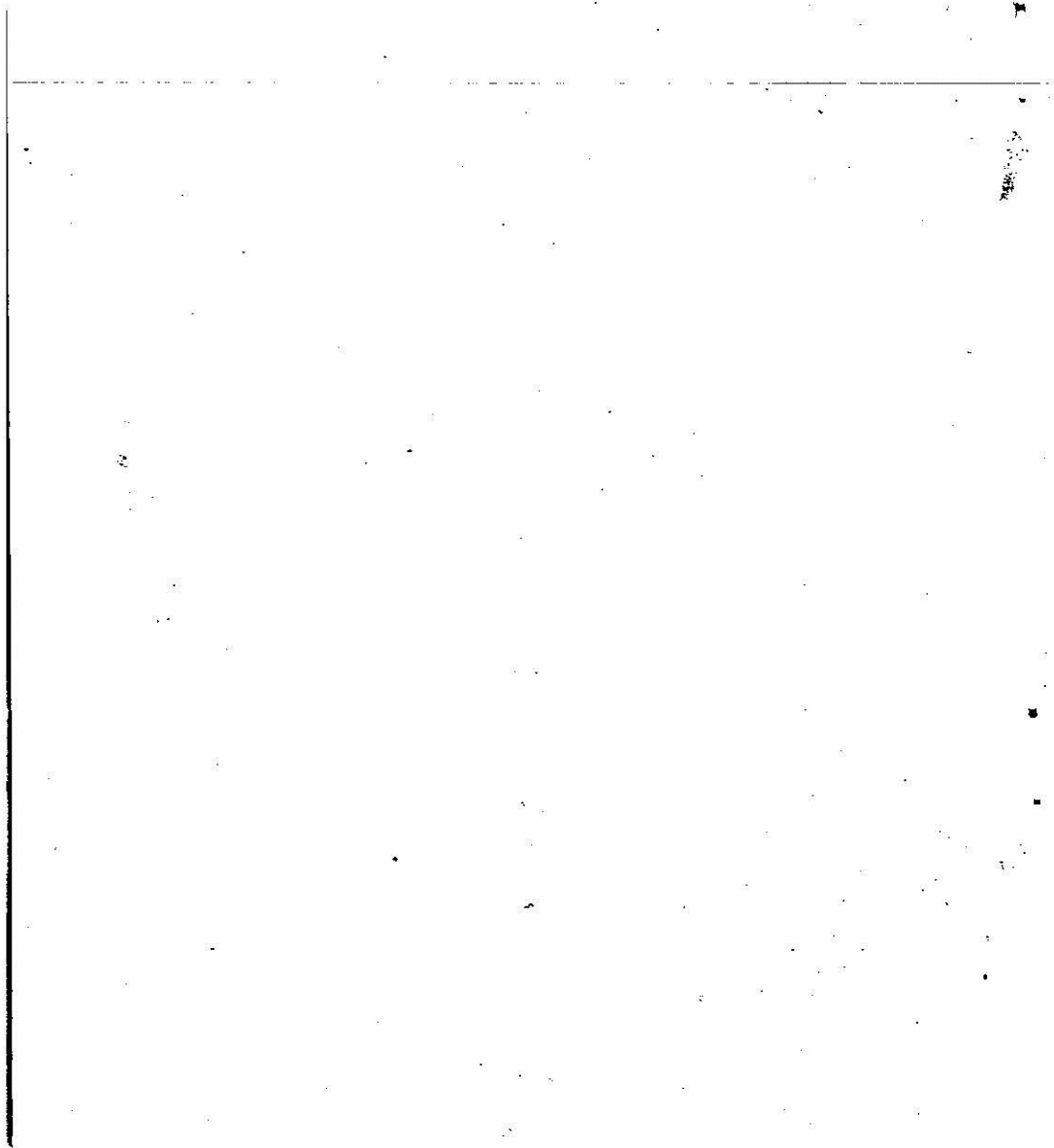
चित्रांकन

श्री राजेन्द्र ठाकुर

ले आउट एवं डिजाइनिंग

श्री सुरेश कुमार साहू

आई.एफ.आई.जी.छत्तीसगढ़ के सहयोग से



विषय सूची

- क पाठ
- 1 वेरूर वेरूर (आओ आओ)
- 2 मेदि तियार (आम का त्योहार)
- 3 चेंडु कोर पापकुल (पांच चूजे)
- 4 मेदी पाल (आम फल) ^{मेदि तियार}
- 5 चुरचाबोजी (विवाह भोज)
- 6 बाजेल (वादयंत्र)
- 7 डुव आरू गोडली (शेर और लोमड़ी)
- 8 चेलाक लोमड़ी (चालाक लोमड़ी)
- 9 लालेच गुञ्जी (लालची उल्लू)
- 10 इली आरू मेवा (भालू और बकरी)
- 11 मोचा आरू गोडली (मगरमच्छ और लोमड़ी)
- 12 काकाल आरू काव्वा (कौआ और कछुआ)
- 13 सात पोकाल (सात सूरज)
- 14 कोंडका चोड्डा (चीटी)
- 15 काडू आरू एव (ढेला और पत्ता)
- 16 एनकियानचाटा (खेलगीत)
- 17 तोलेद इरूल (दो भाई)
- 18 बादोर गुडरोमो (बादल गरजा)
- 19 कोंदी मान (डोंगरी पूजा)
- 20 देसरापाटा (दशहरा गीत)
- 21 मुंदु मीतूल (तीन मित्र)
- 22 इरपुल मोल्ला (महुए का मोल)
- 23 तितिर गुडियाल
- 24 गियान गुडडी तो पापकुल मांडेय
- 25 बित्तिलुंग ओलवाल (बोआई)
- 26 चुलियाना (सैर)
- 27 कानतान डाग्गेल (पहेलियाँ)
- 28 डोक्का (गिरगिट)
- 29 नेवाका आरू चोड्डा उबियाना (केंचुए और चींटी की बातचीत)
- 30 गुरवारीन चुरचा (गुरवारी की शादी)

Vertical line on the left side of the page.

वेरूर-वेरूर (आओ-आओ)

वेरूर-वेरूर बाबू-नोनी चेंगे एनकु एर्रा।
आओ-आओ बाबू-नोनी साथ में खेल खेलेंगे।।
वेरूर-वेरूर बाबू-नोनी चेंगे एन्दू एर्रा।
आओ-आओ बाबू-नोनी साथ में नाचेंगे।।
वेरूर-वेरूर बाबू-नोनी पाटा पाडार।
आओ-आओ बाबू-नोनी गीत गाएंगें।।
वेरूर-वेरूर बाबू-नोनी पाट पोडार।
आओ-आओ बाबू-नोनी पाठ पढ़ेंगे।।

अभ्यास कार्य

(शब्दार्थ)

धुरवा	-	हिन्दी
एनकु	-	खेलना
एन्दू	-	नाचना
पाटा	-	गीत
पोडार	-	पढ़ना

शिक्षक-गतिविधि -

1. बच्चे यह गीत गाकर कक्षा में अभिनय करेंगे।
 2. बच्चों से अलग-अलग गीत गाने को कहना (अपनी ही भाषा में)
- प्रश्न 1. तुम अपने मित्रों के साथ कौन-सा खेल खेलते हो?
2. तुम्हें साथ-साथ नाचने-गाते खेलने से कैसा लगता है?

पाठ -2

मेदि तियार (आम का त्योहार)

मेदि तियार बेंयोना
 आम का त्योहार आया है
 मेरी नेली इया एंदरों तोना
 धरती माता लाई है
 डोला आटार
 ढोल बजाएँगे
 कोड उन्दार
 तोड़ी फूँकेगें।
 गुड्डी मुंदेल एन्दार
 मंदिर के सामने नाचेंगे
 गुडीती मेदुल चोतीपार
 मंदिर में आम चढ़ाएँगे
 तियार तिनार
 त्योहार मनाएँगे
 बेडकेती मेनार
 खुशी से रहेंगे।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ-

धुरवा	-	हिन्दी
मेदि	-	आम
मेरी	-	पेड़
डोला	-	ढोल
कोड	-	तोड़ी
गुड्डी	-	मंदिर

शिक्षक-गतिविधि-

1. आम फलने की ऋतु के बारे में बताना यह भी बताना कि सबसे स्वादिष्ट होने के कारण इसे 'फलों का राजा' कहा जाता है।
2. आम का व्यवसाय आम की गुठली का व्यवसाय की चर्चा करना।

प्रश्न

1. तुम कौन-कौन से त्योहार मनाते हो?
2. आम-त्योहार में क्या-क्या करते हैं?
3. आम-त्योहार में कौन-कौन से बाजे बजाए जाते हैं?
4. क्या तुम कभी अमराई में आम खाने दोस्तों के साथ गए हो।

पाठ -3

चेंडु कोर पापकुल (पाँच चूजे)

चेंडु कोर पापकुल मेंदुव।
 पाँच चूजे थे।
 आव सुकरार नानगुरा आटा चेन्दोव।
 वे शुक्रवार को नानगुर बाजार गए।
 नेत्ता बेले तांम सेंगे चेन्दो।
 कुत्ता भी उनके साथ गया।
 कोरपापकुल आटाती सीतापाल, ऊलबी, मंदमाला आरू रेंगेल पात्तेर।
 चूजों ने बाजार में सीताफल,केले,शकरकंद और बेर खरीदा।
 मेलदान बादेक ओक रानती एदोव।
 लौटते समय एक जंगल में पहुँचे।
 आना ओक गोडली पेस्ता।
 वहाँ एक लोमड़ी निकली।
 आद कोर पापकुलीन तिनुंग एरू।।

उसने चूजों को खाना चाहा।
आदुग नेत्ता गोऽलीन वालीतो।
इसलिए कुत्ते ने लोमड़ी को दौड़ाया।
गोऽली तुल्ली किली सनती पाकोतो।
लोमड़ी भागकर जंगल में छिप गई।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

	—	हिन्दी
धुरवा	—	चूजा
कोरपाप	—	बाजार
आट	—	सीताफल
सीताफल	—	केला
ऊलूबी	—	शकरकंद
मंदमाला	—	बेर
रेंगा	—	जंगल
रान	—	लोमड़ी
गोऽली	—	कुत्ता
नेत्ता	—	

शिक्षक-गतिविधि-

1. गाँव के आसपास बाजारों की जानकारी देना।
2. बाजार में बिकने वाले फलों की जानकारी देना।

प्रश्न

1. चूजों के साथ और कौन बाजार गया था?
2. चूजों ने बाजार में कौन-कौन से फल खरीदे?
3. लोमड़ी से चूजों की रक्षा किसने की?
4. तुम्हारे गाँव/गाँव के पास किस दिन हाट लगता है?

मेदी पाल (आम-फल)

ओक बेरतो मेदि मेरी मेंदु,
 आम का एक बड़ा पेड़ था।
 आना निकको मेदुल पात्ती मेदुव।
 उस में बहुत आम फला था।
 रामु, चिंगडू आयती आरु रामुन ताताल गाप्पा पात्ती मेदी तिनुंग चेंदेर।
 रामू, चिंगडू आयती और रामू के पिता टोकरी लेकर आम खाने गए।
 रामून तास्ता मेदुल इतितेद, आरु गाप्पेती पेटकेर
 रामू के पिता ने आम गिराया और टोकरी में रखा।
 जाम्मा बीडडी तिंदेर आरु गाप्पेती ओलेक उज्येर
 सबने मिलकर खाया और टोकरी में घर ले गए।
 मेदुलीन आटती बिडू उज्येर आरु चेंडू रुपयेलती बिडेर।
 आम को बाजार में बेचने के लिए ले गए और पाँच रुपए में बेच दिया।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

मेदि	—	आम
मेरी	—	पेड़
गाप्पा	—	टोकरी

शिक्षक-गतिविधि-

1. आम के अलावा मिलने वाले अन्य मौसमी फलों की जानकारी देना।

प्रश्न

1. रामू, चिंगडू, आयती के साथ और कौन आम खाने गया था?
2. आम किसने गिराया?
3. आम को बेचने कहाँ ले गए?
4. टोकरी में भरे आम को कितने रुपये में बेचा?

चुरचा बोजी (विवाह भोज)

गोंचू आरु बुदरु जेटा सुटिंग नागिलनाट चेंदेर।
 गोंचू और बुदरु गरमी की छुट्टी में नागलसर गए।
 आना कांदरुन चुरचा ऐरु।
 वहाँ कांदरु की शादी थी।
 चुरचेती निक्को लोग पाडरीर एन्दरीर।
 शादी में बहुत से लोग नाच-गा रहे थे।
 गोंचू आरु बुदरु बेले निक्को एन्देर।
 गोंचू और बुदरु बहुत नाचे।
 बोजीती बानिग बानिग तिन्दानों मेंदू।
 भोज में खाने की भिन्न-भिन्न चीजें बनाई गई थीं।
 आवीन निक्को तिन्देर।
 उन्होंने खूब खाया
 गोंचू तिनुग ओड़ा बेइन तिनतेद।
 गोंचू बचे हुए भोजन को फेंक दिया।
 आदुंग बुदरु पोक्केद।
 इसलिए बुदरु बोला -
 कुबे लोग तिनारी इते चाजियाना एर्रा।
 बहुत से लोग खानेवाले बचे हैं। इसलिए भोजन को नहीं फेंकना
 चाहिए।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

चुरचा	-	शादी
बोजी	-	भोज
बेय	-	भात

शिक्षक-गतिविधि-

1. शादी ब्याह में खाने-पीने, नाचने-गाने के रिवाज की जानकारी देना।
2. शादी में परिवार जनों के अलावा मित्रों की सहभागिता पर चर्चा करना।
3. शादी ब्याह में खुशी का माहौल रहता है जिसमें अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता से आयोजन की शोभा बढ़ती है।

प्रश्न

1. गोंचू और बुदरु गरमी की छुट्टी में कहाँ गए थे?
2. नागिलनार में किसकी शादी थी?
3. गोंचू ने खाने के बाद क्या किया?
4. बुदरु ने गोंचू को क्या सबक दिया?

पाठ -6

बाजेल (वाद्य-यंत्र)

दिलवा तियार बेज्यो।
 दिलवा त्योहार आया।
 गुडिती माटी इयेन पूजा चाजेर।
 मंदिर में घरती माँ की पूजा की गई।
 सोमदु मोऽरि उन्देद।
 सोमदु ने मोहरी बजाई।
 कोयटू डोला आट्टेद।
 कोयटू ने ढोल बजाया।
 चामरू टोंगरा आट्टेद।
 चामरू ने टोंगरा बजाया।
 कोसाल तिरली उन्देद।
 कोसाल ने बाँसुरी बजाई।
 डोलेल इलुमीन वेन्नी पोलुबता पेलास।
 ढोल की आवाज सुनकर गाँव का पुजारी आया।
 वेरी गाय बाड़ालीन पूजा चाजेर।

आकर गाय-बैलों की पूजा की।
दूसरे दिन चिरिच पोलुबता मासिल पाडसिल।
दूसरे दिन गाँव के लड़के लड़कियों नाच गान।
एन्द-एन्दी आले-ओले चुल्लेर।
करते हुए घर-घर घूमे।
लोक वेड़का एरीं पेरकुल पायसेल चिंजयेर।
लोगों ने खुश होकर चावल और पैसे दिए।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

घुरवा	-	हिन्दी
तियार	-	त्योहार
गुडि	-	मंदिर
मोडरि	-	ढोल
तिरली	-	बाँसुरी
पेलास	-	पुजारी

शिक्षक -गतिविधि :-

1. शिक्षक बच्चों से अन्य त्योहारों के बारे में पूछेंगे।
2. भिन्न-भिन्न त्योहारों में बजाएँ जाने वाले वादयंत्रों के बारे में पूछा जाएगा।

प्रश्न :-

1. गाँव में कौन-कौन से मंदिर है?
2. दिलवा त्योहार कब मनाया जाता है?
3. इस त्योहार में क्या-क्या किया जाता है?
4. दिलवा त्योहार में किसकी पूजा होती है?

पाठ -7

डुव आरू गोऽली (शेर और लोमड़ी)

डुव आरू गोऽली मित मेंदुवगे। -
 शेर और लोमड़ी मित्र थे।
 इरुल ओक उचाल चाजेर। -
 उन दोनों ने एक झूला बनाया।
 ओर आरी-पारी उज्युंग मुरियायतेर। -
 वे बारी-बारी झूलने लगे।
 डुव चेंबोट उज्योड। -
 शेर पाँच बार झूलता था।
 गोऽली देस नेकितु। -
 लोमड़ी दस गिनती थी।
 गोऽली कुब्बे देमेल उज्योव, चेंदुक नेकितु। -
 लोमड़ी बहुत बार झूलती थी, पाँच गिनती थी।
 इदि पाटेंग कोपिल एज्याव। -
 इसी बात पर झगड़ा हो गया।
 डुव रिस एरी चारुक मुरियायता। -
 शेर गुस्सा होकर दौड़ने लगा।
 गोऽली मेर बोतली चिंगड़ी आकला पेता। -
 लोमड़ी लकड़ी के छेद में से उस पार निकली,
 डुव आददी बोतेती उटाता। -
 शेर उसी में फँस गया।
 गोऽली जियोम बाचाक तुलाता। -
 लोमड़ी जान बचाकर भाग गई।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	-	हिन्दी
डुव	-	शेर
गोऽली	-	लोमड़ी
मित	-	मित्र
उचाल	-	झूला

शिक्षक - गतिविधि :-

1. शेर और लोमड़ी के अलावा अन्य जंगली जानवरों के बारे में जानकारी देना।
2. गाँव में लड़के-लड़कियाँ किस ऋतु में झूला झूलते हैं? यह बताना।

प्रश्न :-

1. तुम्हारे मित्र कौन-कौन हैं?
2. शेर लोमड़ी पर गुस्सा क्यों हुआ?
3. लोमड़ी जान बचाकर कैसे भागी?

चैलाक गोऽली (चालाक लोमड़ी)

देरबा पोलुबती सुदरु मेंदिदगे।
 दरभा गाँव में सुदरु रहता था।
 ओद गुमचा पात्ती तितेल एयकूरीड।
 वह गुलेल से चिड़ियों का शिकार करता था।
 ओक सिरिच ओद बोड़ेन एज्येद।
 एक दिन उसने पंडकी को मारा। -
 बोड़ा चाज्यों।
 पंडकी मर गई।
 सुदरु निक्के बेड़का एज्येद।
 सुदरु बहुत खुश हुआ।
 ओद बोड़ेन बाड़याती कांयीकीली ओलेक लाय चेंदीद।
 वह पंडकी को लकड़ी में फँसाकर घर की ओर जा रहा था।
 पोतेलती ओक गोऽली बेज्यों आरु बोड़ेन टांडी तुलोतो।
 पीछे से एक लोमड़ी आई और पंडकी को झपटकर ले गई।
 सुदरु निक्के आड़नेड।
 सुदरु बहुत रोया।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	-	हिन्दी
गोऽली	-	लोमड़ी
गुमचा	-	गुलेल
तितेल	-	चिड़िया
बोड़ा	-	पंडकी
बाड़या	-	लकड़ी

शिक्षक - गतिविधि :-

1. अन्य जंगली पक्षियों के बारे में जानकारी देना।

प्रश्न :-

1. घरेलू पक्षियों के नाम बताओं?

2. सुदरु क्यों खुश हुआ?

3. सुदरु क्यों रोया?

पाठ -9

लालेच गुञ्जी (लालची उल्लू)

गुञ्जी तितेलीन कोस मेंदू।

उल्लू चिड़ियों का राजा था।

आद तितेलीन पालकुल पाती वेरु पोकोतो।

उसने चिड़ियों को फल लेकर आने को कहा।

तितेल पालकुल पात्ती वेञ्चोव।

चिड़ियाँ फल लेकर आईं।

तितेल कोसुंग ओक-ओक पाल चिञ्चोव।

चिड़ियों ने राजा को एक-एक फल दिया।

गुञ्जी ओक पाल पातोतो।

उल्लू ने एक फल लिया।

बाचयान पालकुलीन तितेलूग पायतो।

बचे हुए फलों को चिड़ियों में बाँट दिया।

जाम्मा तितेल पालकुल तिन्दोव।

सभी चिड़ियों ने फल खाया।

गुञ्जी पाकटा पोक्काली मुरानी मेट्टो।

उल्लू दिन भर भूखा था।

आद चित्ता बेंडेल चुम्मी तिन्दो।

उसने रात में मेंढक खाया।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	—	हिन्दी
गुजयी	—	उल्लू
पाल	—	फल
चित्ता	—	सत
बेंडे	—	मेंढक

शिक्षक — गतिविधि :-

1. छात्रों से जंगली पक्षियों के बारे में पूछना।
2. मेंढक के बारे में जानकारी देना।

प्रश्न :-

1. पक्षियों का राजा कौन था?
2. उल्लू ने पक्षियों को क्या लाने के लिए कहा?
3. उल्लू ने क्या खाया?
4. मेंढक कहाँ रहता है?

पाठ -10

इली आरू मेवा (भालू और बकरी)

ओक बेड़तों रान मेंदु।
 एक बड़ा जंगल था।
 आ रानती इरपा मेरी बेले मेंदु।
 उस जंगल में महुए का पेड़ भी था।
 इरपुल तिनुग इली आरू मेवा रोज्जे वेरुवगे।
 महुआ खाने भालू और बकरी रोज आते थे।
 ओक सिरिस आव इरुल कावड़ी एत्रयोव।
 एक दिन दोनों में झगड़ा हो गया।
 मेवा पोकाता- आम इरुल कोन्द बोरेक तुलाम।
 बकरी बोली- हम दोनों पहाड़ के चारों ओर दौड़ेगे।
 एड जितयाम आले।
 कौन जीतेगा।
 मेवा जीतया, इली आरिया।
 बकरी जीत गई, भालू हार गया।
 आ सिरिस ले इली मेवेन नारचिया।
 उस दिन से भालू बकरी से डरता है।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

घुरवा	—	हिन्दी
इली	—	भालू
मेवा	—	बकरी
रान	—	जंगल
इरपा	—	महुआ
मेरी	—	पेड़
कोद	—	पहाड़

शिक्षक -गतिविधि :-

1. महुए के उपयोग के बारे में जानकारी देना।
2. महुए के पेड़ से जुड़े त्योहार।

प्रश्न :-

1. गाँव की बकरियाँ कहाँ चरने जाती हैं?
2. महुआ खाने कौन-कौन आते थे?
3. बकरी ने भालू को कैसे हराया?

पाठ -11

मोचा आरू गोऽली (मगरमच्छ और लोमड़ी)

रानती ओक गोऽली मेन्दुगे।
जंगल में एक लोमड़ी रहती थी।
आद तिन्दाना कांडुक पेरेद रेटती चेन्दा।
वह खाना ढूँढने नदी किनारे गई।
आदी पेरेद लेगाड मेदि मेरी मेत्ता।
उसी नदी के किनारे आम का पेड़ था।
मेरीन कीड़ी मोचेन पाड मेन्दुगे।
पेड़ के नीचे मगरमच्छ रहता था।
ओक चिरिक गोऽली पेरेदती नीर ऊनूंग चेन्दा।
एक दिन लोमड़ी नदी में पानी पीने गई।
आतोडी मोचा गोऽलीन केलीन चुमाता आरू तिनूंग एरू।
उसी समय मगरमच्छ लोमड़ी का पैर को पकड़ा और खाने को हुआ।
मोचा गोऽलीन केल चाय चिया आरू मेदि वारिन चुभिया।
मगरमच्छ ने लोमड़ी के पैर को छोड़ दिया और आम की जड़ को
पकड़ लिया।
आतेकी गोऽली नाव-नावी तुल चेन्दा
उसी समय लोमड़ी हँस-हँसकर भाग गई।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	—	हिन्दी
रान	—	जंगल
मोचा	—	मगरमच्छ
गोडली	—	लोमड़ी
केल	—	पैर
वार	—	जड़
पेरेद	—	नदी

शिक्षक -गतिविधि :-

1. शिक्षक बच्चों को इस कहानी से लोमड़ी की चालाकी के बारे में बताएँगे एवं नदी में रहने वाले अन्य जीवोंकी जानकारी देंगे।

2. नदी में बच्चों द्वारा देखे गये अन्य जीवों की जानकारी लेना।

प्रश्न :-

1. तुम्हारे गाँव के पास कौन सी-नदी है?

2. लोमड़ी ने मगरमच्छ से कैसे अपना पैर छुड़ाया?

3. मगरमच्छ अथवा लोमड़ी से जुड़ी हुई कोई और कहानी सुनाओ।

पाठ -12

काकाल आरू काव्वा (कौआ और कछुआ)

काकाल आरू काव्वा मित मेंदुव।
 कौआ और कछुआ मित्र थे।
 आव इरुल ओक ऊलू मेरि कांडतेर।
 दोनों ने केले का एक पेड़ ढूँढा।
 ऊलू मेरिन ईरडू गोंदेल चाजेर।
 उन्होंने केले के पेड़ के दो भाग किए।
 काकाल पोडित गोंदेन आरू काव्वा किड़िता।
 कौए ने ऊपर का भाग लिया और कछुए ने नीचे का।
 इरुल आपलान-आपलान गोंदेलीन उनतितेर।
 दोनों ने अपने-अपने भाग की देखरेख की।
 काव्वेनो जागोतो आरू काकालीनो चाजयो।
 कछुए का भाग जी गया और कौए का भाग मर गया।
 कावेन मेरती पालकुल पात्तोव।
 कछुए के भाग में फल आया।
 काकाल पोकोतो- आनुंग इन गोदेत पालकुल ची।
 कौए ने कहा- मुझे तुम्हारे भाग का फल दो।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	—	हिन्दी
काकाल	—	कौआ
काव्वा	—	कछुआ
ऊलूमेरी	—	केले का पेड़

शिक्षक -गतिविधि :-

1. घर में होने वाले पेड़ों के बारे में बताना।
2. केले के उपयोग के बारे में बताना।

3. पाठ का सार-मित्र की सहायता करना कर्तव्य है।
4. कछुए के अलावा जल और थल में रहने वाले अन्य जीवों के बारे में बताना।

प्रश्न :-

1. तुम्हारे कौन-कौन मित्र हैं?
2. तुम्हारे घर में कौन-कौन से पेड़ हैं?
3. कछुआ कहाँ रहता है?
4. कौआ किस रंग का होता है?

पाठ -13

सात पीकाल (सात सूरज)

मुनीत जुगती साततान पोकाचिल मेत्तोव।
 पुराने समय में सात सूरज थे।
 नेदीलं कूबे डॉय एजयो।
 पृथ्वी खूब तप रही थी।
 जामा पचाड़ नीर निनकाता।
 सभी तरफ पानी सूख रहा था।
 मेरी माटांग वेत्तोव।
 पेड़-पौधे सूख गए।
 जामा जियादुल पोकाचीलिन तापुंग एजयेर।
 सभी प्राणी सूरजों को मारने का विचार करने लगे।
 कोंद पोदी चेनी चोयगोटा पोकाचीलिन तापी पाट्टितेर।
 एक ने पहाड़ के ऊपर चढ़कर छह सूरजों को मार गिराया।
 ओक पोकाल पाकोतो।
 एक सूरज छिप गया।
 जामा पचाड़ चिकोड एजयो।
 सभी तरफ अँधेरा छा गया।
 दुनायात जियादुल ओलवाल एजयोव।
 संसार के प्राणी परेशान हो गए।

चिकोडती एते एरी मेंदाम एनी विचारतोव ।

सोचने लगे- अंधेरे में कैसे रहेंगे ।

जाम्म! जियादुल पोकालीन कुयोव ।

सभी प्राणियों ने छिपे सूरज को बुलाया ।

एरोड पोकाल पेपोया ।

छिपा सूरज नहीं निकला ।

सरासरीती कोर दादी कुयेद-को-कोरे-कोंय ।

आखरी में मुर्गा दादा बोला-कुकडू-कूँ ।

कोर दादी कुयरांनंग पोकाल पेतो ।

मुर्गे के बोलने से सूरज उग गया ।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	-	हिन्दी
कोदी	-	पहाड़
पोकाल	-	सूर्य

शिक्षक -गतिविधि :-

1. रात-दिन के बारे में बताना ।
2. दिन और रात में होने वालों क्रियाकलापों में चर्चा करना ।

प्रश्न :-

1. सवेरा कब होता है?
2. सूरज किस दिशा में उगता है?
3. सूरज किस दिशा में उगता और किस दिशा में डूबता है?

पाठ -14

कोडका चोड्डा (चींटी)

ओक कोडका चोड्डा मेंदु।
 एक चींटी थी।
 निक्को बेड़केती।
 बड़े मजे में थी।
 पेरेदती आटार वेजयो।
 नदी में बाढ़ आई।
 कोडका चोड्डेन उजयो।
 चींटी को बहा के ले गई।
 तिता चुड़ाता कोडका चोड्डेन।
 चिड़िया ने चींटी को देखा।
 मुन्देल तिनतो एवीन।
 सामने फेंक दिया पत्ते को
 कोडका उन्दाता एवती।
 चींटी बैठ गई पत्ते में।
 उन्दी वेजयो रेटती।
 आ गई बैठकर किनारे।
 कोडकेन जियोम बाचातो।
 चींटी की जान बच गई।
 देरम इते चाजोतो।
 ऐसी भलाई की।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	—	हिन्दी
चोड्डा	—	चींटी
पेरेद	—	नदी
तिता	—	चिड़िया
एव	—	पत्ता

शिक्षकों -गतिविधि :-

1. बच्चों चींटियों के बारे में बताना- काली, लाल, भूरी, छोटी-बड़ी। साथ ही पाठ का सार बताना कि दूसरों की भलाई करना।

प्रश्न :-

1. नदी में बाढ़ कब आती है?
2. चींटी को किसने बचाया?
3. चिड़िया ने चींटी को कैसे बचाया?
4. तुमने घर में चींटियाँ वहाँ-वहाँ देखी हैं?

पाठ -15

काडू आरू एव (ढेला और पत्ता)

काडू आरू एव मित मेंदुव।

ढेला और पत्ता मित्र थे।

ओकेच ओर केद चेनुंग विचारतोव।

एक दिन उन्होंने शिकार करने का विचार किया।

इरुल विल आम्ब पाती रान चुलंग चेन्देर।

दोनों तीर-धनुष लेकर जंगल में गए।

एव तुलयान मून्देन-आम्बोड एज्यो।

पत्ते ने दौड़ते हुए खरगोश को तीर मारा।

एरोड मूदा चायोया।

परंतु खरगोश नहीं मरा।

काडू पोकाता- एदाय आन एजयान।

ढेला बोला- अब मैं मारूँगा।

एव मूंदेन वालिच उयरा।

पत्ते ने खरगोश को दौड़ाया।

काडू विल आम्ब पाती मूंदेन एयोतो।

ढेला तीर-धनुष पकड़कर खरगोश को मारा।

मूंदेन तेल्लती पोरचोतो आदुंग मूदा चाज्यो।

खरगोश के सिर में लगा इसलिए खरगोश मर गया।

काडू आरु एव मूंदेन उज्जयी वेदुंग नीर आरु किच एन्दरुंग चेन्देर।
ढेला और पत्ता खरगोश को पकाने के लिए पानी और आग लेने
गए।

- एव चेन्दा किचुंग आरु काडू चेदा नीरुंग।
- पत्ता गया आग लेने और ढेला गया पानी लेने।
- एव किचती केरोतो काडू नीरती बिराता।
- पत्ता आग में जल गया और ढेला पानी में घुल गया।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

घुरवा	—	हिन्दी
काडू	—	ढेला
एव	—	पत्ता
मुंदा	—	खरगोश
रान	—	जंगल
किच	—	आग
नीर	—	पानी
विल	—	धनुष
आम्ब	—	तीर

शिक्षक —गतिविधि :-

शिक्षक ढेले और पत्ते की प्रकृति के बारे में बच्चों को बताएँगे। पाठ का सार— ढेले और पत्ते की मूर्खता। मूर्ख दोस्त की संगति विनाशकरी होती है।

प्रश्न :-

1. ढेले को पानी में डालने से क्या होगा?
2. पत्ते को आग में डालने से क्या होगा?
3. खरगोश कैसे मर गया?

एनकियान पाठा (खेलगीत)

वेरुर बाबू-नोनी मिली-मिसी केल एनकार।
 आओ बाबू-नोनी मिलकर खेल खेलेंगे।
 को-को कबड्डी चेंगे-चेंगे बाटील एनकार।
 खो-खो कबड्डी के साथ-साथ बाटी खेलेंगे।
 नाववी-बुकली मिसी किली केल एनकार।
 हँसी-खुशी से मिल-जुलकर खेल खेलेंगे।
 बारा डांडी केलचेंगे, पिटटूल एनकार।
 बारह-डांडी खेल के साथ पिटटूल खेलेंगे।
 जेटा बोर्सा पात्रयील दिना केल एनकार।
 गरमी वर्षा ठंड ऋतु में खेल खेलेंगे।
 जेटा वादेक चिंड कोडोल कुट्टी चुरचा एनकार।
 गरमी में दूल्हा-दुल्हन शादी का खेल खेलेंगे।
 बोर्सा वादेक ओडा चाजी उमुंग मेरियार।
 वर्षा में नाव बनाकर तैरना सीखेंगे।
 नातो चाबाव बेड़केती एनकी एनकी मेनार।
 इतना सुंदर खुशी से खेल-खेल कर रहेंगे।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	—	हिन्दी
केल	—	खेल
जेटा	—	गरमी
बोर्सा	—	वर्षा
चुरचा	—	शादी
बाबू नोनी	—	लड़का-लड़की

शिक्षक - गतिविधि :-

शिक्षक बच्चों को भिन्न-भिन्न ऋतुओं में खेले जाने वाले खेलों के बारे में बताएँगे।

प्रश्न :-

1. बाबू-नानी मिल-जुलकर कौन-कौन से खेल खेलते हैं?
2. गरमी में कौन-सा खेल खेलते हैं?
3. वर्षा में कौन-सा खेल खेलते हैं।
4. मिल-जुलकर खेलने से कैसा लगता है?
5. तुम अपने मित्रों के साथ कौन-कौन से खेल खेलते हो?

पाठ -17

तोलेद इरुल (दो भाई)

पोलुबती ओक ओले तोलेद इरुल मंदिर।
 एक गाँव में एक घर में दो भाई रहते थे।
 ओकरीन पिदिर चेन्दरु दुसरेन पिदिर बादू।
 एक का नाम चेन्दरु और दूसरे का नाम बादू।
 ओक दिना इरुल बाया गट्टे माट कोपिल एअयेर।
 एक दिन दोनों खेती-बाड़ी के लिए झगड़े।
 आदुग माट एलेग-एलेग मेनुग मुरयायतेर।
 इसलिए दोनों अलग-अलग रहने लगे।
 ओकेच चेन्दरुन चिंद आरु पोलुबता पाडचिल तेरेयती मिय्यु चेन्देर।
 एक दिन चेंदरु का बेटा और गाँव के लड़के तालाब में नहाने गए।
 बादून चिन्द नीरती बुडदीद बचायपुर-बचायपुर पोकरीद।
 बादू का बेटा पानी में डूबने लगा और बचाओ-बचाओ बोला।
 एन्दानों बेन्नी चेंदरुन तुल-तुली वेरी बटबेल पुचेद।
 आवाज सुनकर चेंदरु दौड़ते हुए आया, उसे बाहर निकाला।
 आदि चिरीच ले तोलेद इरुल पेर मिलेर।
 उसी दिन से दोनों भाई फिर मिल गए।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	—	हिन्दी
पोलुब	—	गाँव
ओले	—	घर

शिक्षक —गतिविधि :-

पाठ का सार बातएँगे कि भाई कितना भी अलग क्यों न हो, विपत्ति में भाई ही साथ देता है।

प्रश्न :-

1. दोनों भाइयों में झगड़ा क्यों हुआ?
2. पानी में कौन डूब रहा था?
3. डूबते हुए बच्चे को किसने बचाया?
4. दोनों भाइयों में फिर से मेल कैसे हुआ?

पाठ -18

बादल गुडरोमो (बादल गरजा)

गोंचा नेलिंगती बादल गुडरोमो।

आषाढ़ महीने में बादल गरजता है।

मुन्नी मेदु निलियाट बादल

पहले था नीला बादल

एदाय एज्यो मांजोत।

अब हुआ काला।

मांजी बादोरिन चुड़िकिली मांजिल एंदुमो।

काले बादल को देखकर मोर नाचता है।

तैरय मुंडेत बेडा बेले बेडका एरमो।

मूडे-उबरे में मेंढक भी खुश होता है।

मुंडेत बेंडेन आडानों बेन्नी बाज्यी वेरमो।

मूडे के मेंढक की आवाज सुनकर पानी बरसता है।
वाया गट्टा पेरेद मुंडा कोष्पी चेनमो।
खेल-खलिहान नदी-तालाब में पानी भर जाता है।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	-	हिन्दी
बादोर	-	बादल
नेलिंग	-	चंद्रमा
बेंडा	-	मेंढक
मांजील	-	मोर
वाया	-	खेत

शिक्षक -गतिविधि :-

शिक्षक ऋतुओं के बारे में बताएँगे।

प्रश्न :-

1. पानी किस रंग के बादल से बरसता है?
2. मोर कब नाचता है?
3. मेंढक कब खुश होता है?
4. पानी कब बरसता है?
5. अत्यधिक पानी बरसने से क्या होता है?
6. वर्षा के पहले कौन सी ऋतु आती है?
7. पानी किस ऋतु में बरसता है?

पाठ -19

कोंदीमान (डोंगरी-पूजा)

ओक पोलुब मेंदु।

एक गाँव था।

आ पोलुब पिदिर तुलसी कोन्दी आटा।

उस गाँव का नाम तुलसी-डोंगरी था।

आना मान साजरानुंग जाम्मा पोलुबता लोक बुरकेलती

वहाँ पूजा करने के लिए गाँव के सभी लोग तूँबे में

चावेल आरु बिल्लकुल आम्बूल पात्ती किली।

सावल का पेज तीर-धनुष लेकर

कोंदतेल चेन्दार

पहाड़ की ओर गए।

आरु ओक लेग्गाट कुड़ा एरर।

और एक जगह इकट्ठे हुए।

आरु मान साजरार कि जियादुल तोदोकोव।

और पूजा करने लगे कि जंगली जानवर मिलें।

रेच्चा चुलूंग एरको नाई एरा मेन को रेचा ओले वेरु

अच्छी तरह घूमकर आएँ कुछ न हो

एरको एनी पेरकाल चारकिच किली नेदीलती

अच्छे से घर वापस आएँ। दातून को दो हिस्से

पाटतीतार आरु कोंदीन बोरेक टाट पातरार।

करके घरती पर फेंकते हैं और डोंगरी की परिक्रमा करते हैं।

कोंदीन चुल्लार आरु सिकोड एरेक ओले वेरर।

और रात को घर वापस आते हैं।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	-	हिन्दी
पोलुब	-	गाँव
कोंदी	-	पहाड़
बुरका	-	तूँबा
आम्ब	-	तीर
विल	-	धनुष

शिक्षक - गतिविधि :-

शिक्षक आसपास के पहाड़ों के बारे में बातएँगे।

मौसम पहाड़ कैसे प्रवाहित करते है?(पहाड़ बादलों को रोककर बारिश करते है?)

प्रश्न :-

1. गाँव का क्या नाम था?
2. तुम्हारे गाँव के पास कौन-सा पहाड़ है?
3. तूँबे में क्या-ले जाते हैं?
4. डोंगरी-पूजा में क्या-क्या करते हैं?

पाठ - 20
 देसरा पाठा (दशहरा-गीत)

चेनार-चेनार बाबू-नोनी देसरा चेना ।

चलो-चलो बाबू-नोनी दशहरा चलो ।

रेत आरू मीना बाजार चुड़ी वेशर ।

रथ और मीना बाजार देख आएँ ।

बिनेक-बिनेक तो उँचाचिल ऊँई वेशर ।

भिन्न-भिन्न प्रकार के झूले झूलकर आएँ ।

चेनार-चेनार.....

चलो-चलो.....

कोसइन ओलेक बान्नेतो आदीन चुड़ार ।

राजा का घर बड़ा है, उसे देखें ।

ओलेक बीतराम गुड़डी आदीन बेले चुड़ार ।

घर-भीतर मंदिर उसे भी देखें ।

चेनार-चेनार.....

चलो-चलो.....

बिनेक-बिनेक दुकानुल चुड़ी वेशर ।

भिन्न-भिन्न प्रकार की दुकानें देखकर आएँ ।

मोटोल-कारुल पुतरैल पात्ती वेशर ।

मोटर-खिलौना पुतलियाँ खरीदकर लाएँ ।

चेनार-चेनार.....

चलो-चलो.....

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	—	हिन्दी
रेत	—	स्थ
ओलेक	—	घर
उज्जवाल	—	झूला
मोटोल	—	मोटर
पुतरा	—	पुतला
गुड्डी	—	मंदिर

शिक्षक — गतिविधि :-

शिक्षक दशहरा त्योहार के बारे में विस्तार से बताएँगे।

(बस्तर के दशहरा के बारे में) दशहरा पर्व मनाने का पौराणिक ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि से बच्चों को अवगत कराना।

प्रश्न :-

1. दशहरा त्योहार किस माह में मनाया जाता है?
2. दशहरा त्योहार कैसे मनाया जाता है?
3. दशहरा त्योहार में तुम क्या-क्या देखते हो?

पाठ -21

मुंदू मीतुल (तीन मित्र)

कारियाल, काकाल आरू मांजिल मुंदू मीतुल मेंदुवगे।

तोता, कौआ और मोर तीन दोस्त थे।

काकाल, कारियालीन, चुड़ी पोकस इन एज्योत रेच्चात आय।

कौआ, तोता को देखकर बोलता है कि तुम कितने अच्छे हो।

पारगेरय्याट-पायगेय्याट आरू आनोंग एज्योत मांजोत आय।

हरा-हरा और मैं तो कितना काला हूँ।

मांजिलीन चुड़ी कीलि पोकस इन वेरबुल एज्योत रेच्चा आय।

मोर को देखकर बोलता है, तुम्हारा पंख कितना अच्छा है।

आनीन चुड़ोड एज्योत मांजोत आरू कियालतेन आय।

मुझे देखों मैं कितना काला और खराब हूँ।

कारियाल नाविकील पोकस-काकाल इन मांजोत एरोड नात एज्योत।

तोता हँस कर बोलता है कौए तुम काले हो तो क्या हुआ।

पोलुबतों मांजा कुल इनीन पोका-पोका वेयचिय्थी कुयरार।

गाँव के लोग तुम्हें सुबह-सुबह खाना देकर बुलाते हैं।

इमीन मानूरार इम काव-काव एनोड पोकाल पेता।

वे मानते है, तुम्हारे काँव-काँव करने से सूर्य निकलता है।

मांजिल पोकस इम काकाल सेगा गो एज्योत रेच्चात आय।

मोर कहता है कि तुम कौओं में एक बात कितनी अच्छी है।

ओक काकाल काँव-काँव एनोड गो जाम्मा काकाचील तुलएरदाव।

एक कौआ काँव-काँव करने पर पूरे कौए दोड़ कर आते हैं।

कारियाल आरू मांजिल काकालीन सम जायतोव इन रागिन ले

रेच्चा इन चेलियाना आय।

तोता और मोर कौआ को समझाते हैं कि तुम्हारी आवाज से अच्छी तुम्हारी चाल है।

आवीन पाटेन वेन्नी कीली काकाल एन्दु मुरयायता।

उनके बातों को सुनकर कौआ नाचने लगा।

अभ्यास कार्य

(शब्दार्थ)

कारियाल	-	तोता
काकाल	-	कौआ
मांजिल	-	मोर
पायगेय्याट	-	हरा
मांजोत	-	काला
पोलुब	-	गाँव

शिक्षक-गतिविधि -

जंगल में रहने वाले पक्षियों के नाम बच्चों को बताना।

पक्षियों के नाम व रंगों को बच्चों को बताना।

जंगली एवं घरेलू पक्षियों के नाम बताना व पूछना।

पशु एवं पक्षियों के दोस्ती की बच्चों को बताना।

प्रश्न -

1. तोता का रंग कैसा होता है?
2. मोर कहाँ रहता है?
3. कौन-कौन तीन मित्र हैं?

पाठ -22

इरपुल मौल्ला (महुएं का मौल)

पाकलू आरू मंगडू इरपुल पेटकेर निक्को इरपुल रूडायतेर ।
 पाकलू और मंगडू ने महुआ बीन कर बहुत महुआ इक्ठठा किया ।
 इरूल विचारतेर कि इरपुलीन विडूतुम आरू इरूलुंग पानेयुल एन्दुरुतुम
 दोनों ने विचार किया कि महुएं को बेचेंगे और दोनों के लिए जूते लाएँगे ।
 इरपुल पात्ती आटा चेंदेर आरू विडेर ।
 महुआ लेकर बाजार गए और (उसे) बेचा ।
 सेट आरूंग पायसे ल दिंगोट चियेंद इरपुल पायसे लोद पानेयुल पातुग चेंदेर ।
 सेठ ने उन्हें कम पैसा दिया, महुएं के पैसे से जूते खरीदने गए ।
 लेकिन पैसा कम होने के कारण दुकानदार ने जूते नहीं दिए ।
 आंगोट इरपुल विडीकिली आउर मांजा निक्को पायसेल बेटेद ।
 उतना ही महुआ बेचने पर दूसरे आदमी को ज्यादा पैसा मिला ।

अभ्यास कार्य**शब्दार्थ—**

इरपी	—	महुआ
पानेयुल	—	जूता, चप्पल
आट	—	बाजार
मांजा	—	आदमी

शिक्षक—गतिविधि —

महुएं के पेड़, फूल, फल के बारे में बच्चों को बताना
 तथा उस के उपयोग एवं महत्व पर प्रकाश उलाना ।
 महुएं के पेड़ के जुड़े तीज त्यौहारों की चर्चा करना ।

प्रश्न

1. पाकलू और मंगडू ने महुआ इक्ठठा क्यों किया ।
2. पाकलू और मुगडू जूते क्यों नहीं खरीद सके?

बच्चों से चर्चा करते हुए महुएं के पेड़ से मिलने वाले सामान की चर्चा करना है जैसे :-

फूल, फल, खाना, पीना, औषध लड़की ।

पाठ - 23
तितिर गुड़ियाल

तितिर गुड़ियाल आत चेंदेद? बाया उडूंग उज्येद।
 तितिर गुड़ियाल कहाँ गया? खेत जोतने ले गया।
 उड़ियान बुती जे? नेवका तिन्दों।
 जोतने की मजदूरी कहाँ है? केंचुआ खा गया।
 नेवाका आत पेंदो? कुम्माल तुक चेंगे उज्येद।
 केंचुआ कहाँ गया? कुम्हार मिट्टी के साथ ले गया।
 तुकीन आट उज्येद? तुकीन कुम्माल चोरा चाजेद।
 मिट्टी कहाँ ले गया? कुम्हार ने मिट्टी की हंडी बनाई।
 कुम्माल चोरा जे? दोंदी पाप ओटिता।
 कुम्हार की हंडी कहाँ है? बछड़े ने फोड़ दिया।
 नांगरे दोंदी ने ओटी तोत? इय्या मोमो चिया कानुंग।
 क्यों रे बछड़े, तूने क्यों फोड़ा? माँ ने दूध नहीं दिया।
 नांगरे इय्येना मोमो चियोता? चारा कोड़चा कानुंग।
 क्यों माँ, तुमने दूध क्यों नहीं दिया? घास नहीं बड़ पाई।
 नांग रे चारेने कोड़च्योता? बाजजी बेरा कानुंग।
 क्यों रे घाँस क्यों नहीं बड़ी? पानी नहीं बरसने के कारण।
 माँग रे बज्यी बेरोता बेदेंल आड़ा कानुंग।
 क्यों रे बारिश, क्यों नहीं हुई? मँढक नहीं बोले।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

बाया	—	खेत
कुम्भाल	—	कुम्हार
चोरा	—	हंडी
दौंदी	—	बछड़ा
चाऽरा	—	घास
वाऽयी	—	पानी
बेंडा	—	मेंढक

शिक्षक—गतिविधि—

कृषि — कार्य से जुड़े अन्य अनेक क्रिया —कलापों
एवं स्थितियों के बारे में बताना।

प्रकृति के विभिन्न तत्वों के बीच अंतर्संबंध को बताना।

प्रश्न

1. माँ ने दूध क्यों नहीं दिया?
2. बारिश क्यों नहीं हुई?
3. तित्तिर गोड़ियाल कहाँ गया?
4. केचुआँ वहाँ रहता है।
5. मिट्टी की हंडी कौन बनाता है।

गियान गुड्डी तो पापकुल मांडेय (शाला में बालमेला)

गियान गुड्डी तो पापकुल मांडेय इट्टेर।
 शाला में बाल-मेला लगा।
 पापकुल तातेर पोककाई वेजयेर।
 बच्चों के पिता सुबह आ गए।
 चेरपोचीन बेले कुयेर।
 सरपंच भी आमंत्रित हुए
 पापकुल पास्टा पाडेरं
 बच्चों ने गीत गाया।
 केल बेले टोटीतोर।
 खेल भी दिखाए।
 बिनेक-बिनेक तो पोड़दान जामुकुल टोटितेर।
 भिन्न-भिन्न प्रकार की शिक्षण -सामग्री दिखाई गई।
 रेच्चा-रेच्चा पाटेग ईनाम बेलें चिञ्च्येर।
 अच्छे-अच्छे गीतों के लिए इनाम भी दिए गए।
 जाम्मेग रेच्चा बावोतो, जम्मा, पोटकुल आट्टेर।
 सब को अच्छा लगा, सभी बच्चों ने तालियाँ बजाई।
 आना बिडरूल चेनायुल बेले पायतेर।
 वहाँ लाई - चना भी बाँटा गया।
 जाम्मा बेड़केती ओलेक चेंदेर।
 सभी खुश हुए, खुशी से घर गए।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

पापकुल	-	बच्चे
मांडेय	-	मेला
पोका	-	सवेरा
बिडरूल	-	लाई

चेनायुल	-	चना
ओलेक	-	घर
पाटा	-	गीत

शिक्षक-गतिविधि-

1. कक्षा में बच्चों को गीत गाने के लिए कहना।
2. बच्चों से अपने अपने पिता-माता का नाम पूछना।
3. बाल-मेला कहाँ लगा?
4. बाल-मेले में कौन-कौन आए?
5. बाल-मेले में बच्चों ने क्या किया?
6. बाल-मेले में बच्चों ने क्या पाया?

पाठ -25

बित्तिलुंग ओलवाल (बोआर्ड)

जेटात दिना बेञ्यो
 गरमी का दिन आया,
 बित्तियान दिया बेञ्यो
 बोआई का दिन आया,
 मुत्ताक-मुरताल उवेर
 बुड़ढे-बुड़ढी ने सोचा
 वित्तिल आरे तो ऐंदरियाम?
 बीज कहाँ से लाँए?

मुत्ताक पोकेड चेनाम
 बुड़ढे ने कहा - चलो
 एल मेरवेन पोक्कुतुम
 चुहे के पास जाँए
 जाम्मा बानीत बित्तिल आडूतुम
 सभी बीज माँगेंगे।
 बित्तु मुरयाक तुम।
 बोआई शुरू करेंगे।

मुत्ताक मुरताल मेनवोव किट्टक
 बुड्ढा-बुड्ढी चुपचाप हैं
 सुरता धिला मोररा चुटुंग
 कर्ज चुकाना भूल गए
 ईर पोकाल एरमो
 दो साल हो रहे हैं
 एल मोररा पातुक चेनमो।
 चूहा कर्ज लेने जा रहा है।

मुत्ताक-मुरताल रिच एरीर
 बुड्ढा-बुड्ढी गुस्सा हो गए।
 वालीतोव एलीन।
 चूहे को भगाया।
 येदाय आम ओले वेरमे।
 अब हमारे घर में मत आओ।
 एनी पोकोव एलीन।
 ऐसा उन्होंने चूहे को कहा।

एल मुर-मुरा एज्यो।
 चूहा नाराज हो गया।
 चेन्दा मेल्ली ओले।
 वापस घर चला गया।
 गलती चाजेन आरु एदाय।
 गलती मुझसे हुई
 बेजरायतान आन बेले।
 मैं भी सबक सिखाऊँगा।

मुताकिन बाये एल चेंदा ।
 बुड्ढे के खेत में चूहा गया ।
 चुड़ोतो पाड़नियान वेरचिल ।
 देखा पके हुए धान को ।
 रोजे चेनी बायेती ।
 रोज जाकर खेत में ।
 मुरयायता तिनुंग बेरचिल ।
 धान को खाना शुरू किया ।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

जेटा	—	गरमी
मुत्ताक—मुस्ताल	—	बुढ़ा—बुढ़ी
बित्तिल	—	बीज
एल	—	चूहा
बाया	—	खेत

शिक्षक—गतिविधि—

खेत में बोआई के बारे में बताना गरमी में खेत जोतकर तैयार करना,
 बीज बोना, बरसात में निदाई—गुड़ाई करना, फाइल काटना ।

प्रश्न

1. बुढ़ा—बुढ़ी ने बीज कहाँ से पाया?
2. चूहा नाराज क्यों हुआ?
3. चूहे ने बुढ़ा—बुढ़ी को कैसा एबक करावाया?

पाठ -26
चुलियाना (सैर)

मुन्दा, कारियाल, आरु मीनी मित मेदिर।
खरगोश, तोता और मछली मित्र थे।
मीनी मुन्देन, रानता पाठेन अडयाता।
मछली ने खरगोश से जंगल के बारे में पूछा।
मुन्दा मीनीन पेरेद ता पाठेन अडयाता।
खरगोश ने मछली से नदी के बारे में पूछा।
आरु मीनी कारयालीन बादोर पोदील पाठेन अडयाता।
और मछली ने तोते से आसमान के बारे में पूछा।
जाम्मा मिथीकिली एलचो कि आम जाम्मा लोगी पाडकुलती चुल्चू चेंनुंग एर्रा।
सबने मिलकर तय किया कि एक-दूसरे की जगह घूमने जाएंगे।
मीनी ओडेती जाम्मेनी उंतिक किली चुडिता।
मछली ने नाव में सबको बिठाकर सैर कराई।
कारियल ऐलिकाप्टर जाज्जती उंतिक किली चुडिता आरु।
तोते ने हेलिकाप्टर में सैर कराई और
मुन्दा मोटेल गाड़ी ती चुडिता।
खरगोश ने मोटरगाड़ी में सैर कराई।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	-	हिन्दी
मुन्दा	-	खरगोश
कारियाल	-	तोता
मीनी	-	मछली
मित	-	मित्र

रान	-	जंगल
बादोर पोदिल	-	आसमान
पेरेद	-	नदी
ओडा	-	नाव

शिक्षक -गतिविधि :-

नदी, आसमान और जंगल के बारे में बताना।

जल, थल और नभ में रहने वाले जीव जंतुओं के बारे में जानकारी देना।

प्रश्न :-

1. मछली ने किस में सैर कराई?
2. खरगोश ने किसमें सैर कराई?
3. तोते ने किसमें सैर कराई?

पाठ - 27

कानतान डाग्गेल (पहेलियाँ)

1. किड़ि काला माटा पोडी चाता- कीड्वी
नीचे पालथी मारकर बैठा है, ऊपर छत्ता है- अरबी
2. ओक माल चिरली-चिरली दोती नुड़िया-कार्री
एक लड़की घूम-घूमकर साड़ी पहनती है- बॉस
3. चाटरान कोर सड़क पाओडी तुलूमो- चायकिल
भूँजा हुआ मुर्गा सड़क पर दौड़ता है- सायकिल
4. इन मुंदेल कुञ्जेक बिडरुल- पेलकुल
तेरे सामने एक टोकरी लाई - दाँत
5. किड़ी नीर, पोडी किच - कुष्पी
नीचे पानी ऊपर आग - चिमनी

6. कोड़ोत मेनेक चाकना नींडोड टेकना- कारी
छोटे रहने पर चखना, बड़े होने पर टेकना-बाँस
7. नीर बीतराम मांडजी बाड़िया-कोचिया मिनी
पानी के भीतर काला डंडा- कोचिया मछली
8. कोचीन कासला डोंडोमा चिलाया- केरबा
राजा का लोटा बिना हैंडिल का - अंडा
9. सन बीतराम इली नेतरोत नीर उनडा- पेनी
जंगल का भालू लाल पानी पीता है-जुआँ
10. चैनदात एरोड चैन कैकोल आलटाक चैन - कुची-तारा
जाना है तो जा, कान उमेठ कर जा- ताला-चाबी

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	-	हिन्दी
कीडबी	-	अरबी, (कोचई)
कारी	-	बाँस
पेलकुल	-	दाँत
चायकिल	-	सायकिल
कुप्पी	-	चिमनी
कोचया मिनी	-	कोचिया मछली
केरबा	-	अंडा
पेनी	-	जुआँ
कुची	-	चाबी
तारा	-	ताला

शिक्षक -गतिविधि :-

ऐसी ही अन्य पहेलियों के बारे में छात्रों से पूछना और उन्हें बताना।

पाठ -28

डोक्का (गिरगिट)

ओक बादेक जाम्मा रेंगयान जियादुल ओक पाडती रुंडोव।

एक बार सभी रेंगने वाले जीव एक जगह इकट्ठे हुए।

आना बाम, ईड्डी, चावदी कोटाल, नेवाका, डोक्का कुडूरुडू केतरा,
काव्वा इव जाम्मा विचार चाजोव।

वहाँ साँप, केंकड़ा, विच्छू, केंचुआ, गिरगिट, छिपकली, कछुआ इन सबने
विचार किया।

जाम्मा लोकीन बितराम एनकियानो एरको।

सभी लोगों के बीच नाचने-गाने की प्रतियोगिता होती है।

आना एद जितोड ओनुंग ईनाम टोंडया।

वहाँ जो जीतेगा, उसे इनाम मिलेगा।

जाम्मेन मुकियाल काव्वा मेंडुगे।

सभी का नेतृत्व कछुआ कर रहा था।

एंदयानों मुर एंज्यों।

नाच-गान शुरु हुआ।

एंदयान जाम्मा रेंगयान जियादुलुग नात-नात तोंदया।

नाचगान करने वाले सभी रेंगने वाले जीवों को कुछ-कुछ इनाम मिला।

डोक्केग नाती ईनाम तोंदोया।

गिरगिट को कोई इनाम नहीं मिला।

आददी चिरिक ले डोक्का तेल्ल उचिता।

तब से गिरगिट सिर हिलाता है।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	—	हिन्दी
बाम	—	साँप
डोक्का	—	गिरगिट
काव्वा	—	कछुआ
चावदी कोटाल	—	बिच्छू
डोक्का	—	ठेंडका

शिक्षक - गतिविधि :-

भिन्न-भिन्न रेंगने वाले जीवों की जानकारी देना।

पाठ में आए जीवों के मिठास स्थल जल, थल के बारे में चर्चा करना।

प्रश्न :-

1. तुम्हारे आसपास रेंगने वाले जीवों के नाम बताओ।
2. गिरगिट सिर क्यों हिलाता है?
3. सभी जीवों का नेतृत्व कौन कर रहा था?

नेवाका आरू चोड्डा उबियाना
(केंचुए और चींटी की बातचीत)

(नेवाका आरू चोड्डा आपसती उबनात मेन्दाव)

(केंचुआ और चींटी आपस में बातचीत करते हैं।)

- नेवाका - इन आरे मेंदात? नातोत तिन्दात?
- केंचुआ - तुम कहाँ रहती हो? क्या खाती हो?
- चोड्डा - आन वेतयान पाडती मेन्दान, पावती नात एरका तोन्दोड, आदी तिन्दान बाकी इड्डी मेन्दान, जरुरत पाडोड पुच्ची किली तिन्दान।
- चींटी - मैं सूखी जगह में रहती हूँ और रास्ते में जो कुछ मिले उसे खाती हूँ, बाकी रखे रहती हूँ, जरुरत पड़ने पर निकालकर खाती हूँ।
- नेवाका - आन पोदयान पाडती मेंदान। मेनत चाजी तिन्दान। आराम ले मेदान आरू नेन्दीलीन कात बेले चाजियान।
- केंचुआ - मैं गीली जगह में रहता हूँ, मेहनत करके खाता हूँ आराम से रहता हूँ और ज़मीन को उपजाऊ भी बनाता हूँ।
- चोड्डा - इन केयगेल चिलाका बेले मेनत चाजियात। मानुंग पाडिया।
- चींटी - तुम हाथ-पैर के बिना भी मेहनत करते हो, मानना पड़ेगा।
- नेवाका - आन मेनत गो चाजियान, मान्तर पोलुबता बाकी लोक मिनुल चुमुंग माट चारा चिजयार। नीके दुक बावरा।
- केंचुआ - मैं मेहनत तो करता हूँ, लेकिन गाँव के कुछ लोग मछली पकड़ने के लिए चारे के रूप में मेरा उपयोग करते हैं, इसलिए मुझे दुख होता है।
- चोड्डा - आनीन बेले गो पावड चेन्दान लोक पिटीत जीयोम एन्नी चातीक काडियार देरम चाजारा।

चींटी - मुझे भी तो राहगीर छोटा जीव समझकर
रास्ते में कुचल देते हैं दया नहीं करते है।

नेवाका-चोड्डा-(मीसी में उबियाव) आम जीवना इ इतनीत आय।
केंचुआ-चींटी-(आपस में बात करते हैं) हमारा जीवन ही ऐसा है।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

घुरवा	-	हिन्दी
नेवाका	-	केंचुआ
चोड्डा	-	चींटी
मीनी	-	मछली

शिक्षक -गतिविधि :-

फसल में केंचुएँ की उपयोगिता एवं महत्ता बताना तथा चींटी से संचय की प्रवृत्ति को जानकारी देना।

प्रश्न :-

1. केंचुआ कहाँ रहता है?
2. केंचुआ फसल के लिए किस प्रकार उपयोगी है?
3. चींटी क्या खाती है?
4. केंचुए और चींटी को किस बात का दुख है?
5. केंचुए को चारों के रूप में कब प्रयोग में लाया जाता है।

पाठ -30

गुरबारीन चुरचा (गुरबारी की शादी)

तिरियानाट तो गुरबारीन चुरचा एदोतो।
 तिरिया गाँव की गुरबारी की शादी होने वाली थी।
 गुरबारीन इया-बुआल कांदिल, जुलेनुल, केकोल बारी, मोवान।
 बातकुल, चुड़ील, बावटेल, चिञ्च्येर पैसेल पुराकानुंग चूता पातेरा।
 गुरबारी के माता-पिता ने माला, बाला, पाती, नथनी, चूड़ियाँ, पैरपट्टी,
 बिछिया, अँगूठी, आदि खरीदी। पैसे की कमी के कारण सूता नहीं खरीदा।
 गुरबारीन बुआल ओक सावकारीन का पैसेल आडुंग चेनी मेत्तेद।
 गुरबारी के पिता एक साहूकार के पास पैसे उधार लेने गए।
 आरु पोकेद-आन मालुग चुता पातयानो आय।
 और बोले- मेरी लड़की के लिए सूता खरीदना है।
 चुरचा पोलोड़ इनुंग पैसेल मेनतान।
 शादी खत्म होने के बाद पैसे वापस करूँगा।
 सावकार पोक्केद कि पैसेल पालटेती इन नात बेले गाना इड्डू, तेबे
 पैसेल वियदान।
 साहूकार बोला कि पैसे के बदले में गिरवी रखो, तब पैसे दूँगा।
 इ पाटेन गुरबारी बेट्टो आरु ताम बुआलीन पोकोतो।
 यह बात गुरबारी सुनती है और अपने पिता से कहती है-
 बुआ, आन चुता चिलाका बेले चुरचा एददान।
 पिताजी, मैं सूता के बिना भी शादी कर लूँगी।
 इन चुता पातुमेन।
 आप सूता मत खरीदिए।
 इ पाटेन बेन्नी गुरबारीन चुरचा अरीक उदीम ती चाजेर।
 यह बात सुनकर गुरबारी की शादी घूमघाम से की गई।

अभ्यास कार्य

शब्दार्थ

धुरवा	-	हिन्दी
माल	-	लड़की
चुरचा	-	शादी
काँदिड	-	माला
चूता	-	सूता(गले का गहना)

शिक्षक -गतिविधि :-

1. शादी-ब्याह में कन्या के आभूषण पहनने का चलन बताना।
2. गाँव में पैसे उधार देने वाले साहूकार के बारे में बताना।

प्रश्न :-

1. गुरबारी किस गाँव की थी?
2. सूता क्यों नहीं खरीदा जा सका?
3. साहूकार ने पैसे किस शर्त पर उधार-द देने को कहा?
4. गुरबारी की किस बात से शादी धूमधाम से हुई?

धुरवा हिन्दी हल्बी शब्दकोष

क्र.	धुरवा	हिन्दी	हल्बी	रिमाक
1.	आटा	बाजार	हाट	
2.	अइयाना आइयाना	पूछना	पुछतोर	
3.	इय्या	माँ	आया	
4.	इरपी	महुआ	महू मोउ	
5.	इरूल	दोनों	दुनो	
6.	इली	भालू	भालू	
7.	उजचालु	झूल	झूल	
8.	उज्येंद	ले गया	नीलों	
9.	उड़दिड	जोतना	जोपतोर	
10.	उंदियान	बैठना	बसतोर	
11.	उन्दयाना	फूंकना	फुकतोर	
12.	उनतिक किल	बैठाकर	बसाउन	
13.	उबाल	बातचीत	गोटबात	
14.	ऊलुबमेरी	केला पेड़	केरा बूटा	
15.	ऊलुबी	केला	केरा	
16.	उल्ली	प्याज	गोंदरी	
17.	एड	कौन	कोन	
18.	एन्दरू तुम	लाएंगे	आनवां	
19.	एन्दु	नाचना	नाचतोर	
20.	एनकु	खेलना	खेलतोर	
21.	एन्दरीर	नाच रहे थे	नाचते रहोत	
22.	एराद	नहीं है	नीआय	

23	एरू	हो रहा था	होते रली
24	एरानुग	होने के लिए	होलोकाजे
25.	एल	चूहा	मूसा/ चुटिया
26.	एव	पत्ता	पाना
27.	ओडेती	नाव में	डोंगा में
28.	ओडरोव	उनके	हुनममचो
29.	ओलेक	घर	कुड़या, कुडिया
30.	ओकुर	अकेला	एकला
31.	काडकाल	कौआ	कावरा
32.	काका	चाचा	काका
33.	कांदिल	माला	माला
34.	कांडतेर	ढूँढे	डगराला
35.	काडू	ढेला	ढेला
36.	कारियाल	तोता	रूपू
37.	कार्री	बास	बास्ता
38.	काव्वा	कछुआ	कचीम
39.	कावडी	झगड़ा	झगड़ा
40.	किच	आग	आईग
41.	किड़ित	नीचे	खाले
42.	कुचीतारा	तालाचाबी	ताराकुची
43.	कुष्पी	चिमनी	चिमनी
44.	कुम्माल	कुम्हार	कुमार
45.	कुय	बुलाना	बलातोर
46.	कुयराद	बुलाना	बलातोर

47.	कुयोतो	बुलाया	बलालो
48.	केडल	पैर	पायं
49.	केतरा	गिरगिट	टेंडका
50.	केरबा	अंडा	गार
51.	कोडड	तोडी	तोडी
52.	कोचया मीनी	कोचया मछली	कोचया मछरी
53.	कोप्पा	पहाड़	डोंगरी
54.	कोपिल	झगड़ा	झगड़ा
55.	कोपितान	भरना	भोरतोर
56.	कोरपाप	चूजा	चिंया
57.	कोस	राजा	राजा
58.	कावरा	कौआ	कावरा
59.	गट्टा/पिन्ना	मेड	पारी,हिरी
60.	गाप्पा	टोकरी	गपा
61.	गुञ्जी	उल्लू	कुरवां
62.	गुडी	मंदिर	गुडी
63.	मुडरूमो	गर्जन	गरजतोर
64.	गुमचा	गुलेल	गुलेर
65.	गोऽली	लोमड़ी	कालिया
66.	गोंदेल	हिस्सा	बाटा
67.	चाबाव	सुन्दर	सुंदर
68.	चायकिल	सायकिल	सायकिल, सयकल
69.	चायचिञ्जेद	छोड़दिया	छाडुन दिलो, छोडलो
70.	चिंएद	दिया	दिलो

71	चिंदा	नहीं दिया	नी दय,नी दिलो
72	चिकोड	अंधेरा	अंधार
73.	चिंगड़ी	घुसना	चिंगडुन
74.	चित्ता	रात	राती
75.	चिंद	बेटा	बेटा
76.	चिय्यार	देते है	देउआत
77.	चुता	गले का कड़ा	सुता
78.	चुड़	देखना	दखतोर
79.	चुमुंग	पकड़ने	धरुक
80.	चुरचा	शादी	बिया, बिहाव
81.	चेंडुक	पांच	पांच
82.	चेन	जाना	जातोर
83.	चेनार	चलो	जावां
84.	चेप्पुल	मांस	मांस
85.	जम्मा पचाड़	चारों ओर	गुलाम
86.	जारोत	स्वयं का	आपलो, आपलाहात
87.	जियोम	जीव	जीव
88.	जीतयाम	जीतेंगे	जीतवां
89.	जेटा	गर्मी	डाहा
90.	टोंगरा	घंटा	घंटा
91.	टोटीक	दिखा	दखाव
92.	डुव	शेर	डुरका
93.	डोक्का	टेडका	टेडका
94.	डोला	ढोल	ढोल

95.	तान	घुसना	ओलतोर
96.	ताता	पिताजी	बुआ, बाबा
97.	तिता	चिड़िया	चड़ई
98.	तितेलिन	पक्षियों को	चड़ई मन कें
99.	तिन्दान	खाऊंगा	खायन्दे
100.	तिनार	खाना	खाऊ
101.	तिनुग	खाने	खातों
102.	तियार	त्योहार	तियार
103.	तिरली	बांसुरी	बांवसी
104.	तुक	मिट्टी	माटी
105.	तुलाता	भाग गया	परालो
106.	तेरेय	तालाब	तरई
107.	तोलेद	भाई	भाई
108.	दिगोट	कम	खिण्डिक
109.	देमेल	बार—बार	घन—घन
110.	दौंदी	बछड़ा	बाछा
111.	नावली—बुकली	हंसी खुशी	हरिक—हरिक
112.	नीर	पानी	पानी
113.	निक्कों	बहुत	जुगे, आगर
114.	नेत्ता	कुत्ता	कुकुर
115.	नेदील	पृथ्वी	भूई
116.	नेलिंग	चंद्रमा	जोन
117.	पानेयुल	चप्पल जूता	पनही
118.	पाञ्चील	ठण्ड	सीत
119.	पाटा	गीत	गीत

120.	पाद	जगह	ठान
121.	पाडरीर	गा रहे थे	गावते रला, गावते रहोत
122.	पात्ती	पकड़कर	धरून
123.	एंदेर	लाना	आनतोर
124.	पातुंग	खरीदते	धेनुक
125.	पापकुल	बच्चे	पीलामन
126.	पालकूल	फल	पाकफर
127.	चोड़डा	चींटी	चाटी
128.	पुतरा	खिलौना	खेलतोबानी
129.	पेटकेर	बीनना	बेचतोर
130.	पेता	निकलना	निकरतोर
131.	पेकमो	निकलना	निकरतोर
132.	पेरेड	नदी	नंदी, लंबी
133.	पोकेड	बताए	सांगला
134.	पोका	सबेरे	बिहाने, बियाने
135.	पोटकूल	ताली	हवपटी
136.	पाकोतो	छुप गई	लूकली-
137.	पाटेम	बात पर	गोठउपरे
138.	पोड़ार	पढ़ना	पोड़तोर
139.	पोड़ित	ऊपर	उपरे
140.	पोल्ला	आवाज	राग
141.	पोलूब	गाँव	गाँव
142.	बाचियानो	बचा हुआ	बाचलो
143.	बाचोव	बच गए	बाचलो

144.	बाड़या	डण्डा	बड़गा
145.	बादा	शर्त	बाद
146.	बादोर	बादल	बादरी
147.	पुतरेल	गुड्डा-गुड़िया	पुतरा-पुतरी
148.	बानिंग-बानिंग	भिन्न-भिन्न	भिने-भिने, बरन, बरन
149.	बोरेक	चारों ओर	गुलाम
150.	बायेल	खेत	बेड़ा
151.	बिडरूल	लाई	लाई
152.	बित्तिल	बीज	बीयन
153.	बितु	बोना	बुनतोर
154.	बिनेक	भिन्न प्रकार का	कएक बरन
155.	बीतराम	अंदर	भीतरे
156.	बुती	मजदूरी	भूति
157.	बुरका	लौकी	तुमा, तुमड़ी
158.	बेञ्जो	आया	इलो
159.	बेजरायतानों	सबक सिखाना	बुता खेदातोर
160.	बेटेत	पाया	निरालो
161.	बेड़का	खुशी	हरीक
162.	बेण्डा	मेढक	मेंडका
163.	बेञ्योना	आया है	इलो से
164.	बेरतो	बड़ा	बड़े
165.	बोडड़ा	पंडकी	पंडकी
166.	बोड़पन	घमण्डी	ठाबबिता
167.	बोरेक	चारों ओर	गुलाय

168	बोर्सा	बरसात	बरसा, चमास
169	मंदमाला	शकरकंद	लालकांदा
170	मांजिल	मोर	मंजुर
171.	मांजोत	काला	करीया
172.	मान	पूजा	सेवा
173.	मान्जा	आदमी	मनुख, मोनुक
174.	मित	मित्र	मीत
175.	मिनी	मछली	मछरी
176.	मियूग	नहाना	नाहातोर
177.	मुण्डा	तालाब	तरई, मुंडा
178.	मुंदा	खरगोश	लमाहा
179.	मुरानी	भूखा	भूखे
180.	मेंदाव	रहते थे	रते रओत
181.	मेदि	आम	आमा
182.	मेरवा	नाती	नाती
183.	मेरि	पेड़	रूख, रूक
184.	मेवा	बकरी	छेरी, बोंकड़ी
185.	मोचा	मगरमच्छ	मंगर
186.	मोटोल	मोटर	मोटोर
187.	मोर्सा	उधार	लागा
188.	मोरा-चुटियानो	ऋण चुकाना	लागा छुटतोर
189.	रान	जंगल	रान
190.	रिस	गुस्सा	रीस
	फडायतेर	इकटठा किए	जुहाला

192.	रेंगा	बेर	बौर
193.	रेट	किनारे	कटा, रेटे
194.	रेचा	अच्छा	नंगत
195.	बाया	खेत	बेडा
196.	वार	जड	छेर
197.	विडुतुम	बेचेंगे	बिकवां
198.	विल	धनुषबाण	धनुकांड
199.	विलीज	उजाला	उजर
200.	वेतयान	सुखी	सुखीयार
201.	बेन्नु	सुनना	सुनतोर
202.	बेरमे	मत आना	नी आव
203.	बेर	आना	आव
204.	वेरूर	आओ	इया
205.	बेरेद	बाढ़	पुर
206.	वेयी	भात	भात
207.	सिंगार	आभूषण	सिंगार
208.	सीतापाल	सीताफल	चीतापाक
209.	सियान	मुखिया	मुखया
210.	सिरिस	दिन	मंझन
211.	सुटि	छुट्टी	छुटी

|